"वह साहिल के सामने खुद को शर्मिंदा महसूस कर रही थी, क्योंकि वह जानती थी कि वह साहिल की नज़र में वहुत अच्छी है। जब वह उसके पास आकर बैठी उससे नज़र नहीं मिला पाई।"

मान लें कि दोनों खेल घंटी में एकसाथ हैं–

इस प्रसंग पर पटकथा का एक दृश्य लिखें।

छात्रो, पिछले साल नवीं कक्षा में पटकथा लिखना सीख लिया था न? इस प्रसंग पर अब हम पटकथा का एक दृश्य लिखें।

बताएँ कि पटकथा लिखते समय किस–किस बात पर ध्यान देना चाहिए।

पटकथा को कैसे लिखें?

पटकथा में दो मुख्य अंश मान सकते हैं– दृश्य और संवाद।

दृश्यः

स्थान

समय

पात्र (नाम, आयु, वेशभूषा (चेहरे का भाव भी जोड़ सकते हैं))

संवादः

संवाद पात्रानुकूल हो। आवश्यक हाव–भाव भी जोड़ सकते हैं।

पटकथा का दृश्य का विवरणः

स्थानः स्कूल के आँगन में

समयः दोपहर एक बजे।

पात्रः 1. बेला, करीब 10 साल की लड़की, स्कूल यूनिफार्म पहनी है, पीठ पर बस्ता है। चेहरे पर उदासी है।

2. साहिल, करीब 10 साल का लड़का, स्कूल यूनिफार्म पहना है, पीठ पर बस्ता है। चेहरा उदास है।

संवादः

साहिलः (दुख भाव से) बेला तुम डर और दुख से मुक्त नहीं हुई हो न?

बेलाः (नीचे की ओर देखकर) हाँ साहिल मैं बहुत डर गई थी। माटसाब से मार खाने से मुझे दुख नहीं, लेकिन साहिल के सामने मार खाना मुझे ज़रा भी पसंद नहीं।

साहिलः वह तो मैं जानता हूँ बेला। वास्तव में तुम्हारी कॉपी में गलत कुछ भी नहीं थी। माटसाब को ऐसा लगे तो क्या करें।

बेलाः मैं बड़े शर्म का अनुभव हुआ साहिल। चलो हम हाथ धोकर खाना खाएँ।

(दोनों चले जाते हैं।